प्रशासन सम्बन्धी दृष्टिकोण : एकीकृत एवं प्रबन्धकीय

(APPROACHES REGARDING ADMINISTRATION INTEGRAL AND MANAGERIAL

प्रशासन के अन्तर्गत किन क्रियाओं को सम्मिलित किया जाये, इस सम्बन्ध में विद्वानों में पर्याप्त मतभेद हैं।

सर्वप्रमुख विवाद यह है कि प्रशासन के अन्तर्गत केवल प्रबन्ध सम्बन्धी क्रियाओं को ही महत्व दिया जाना चाहि अपवा विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों द्वारा सम्पादित किये जाने वाले कार्य भी समाविष्ट किये जाएँ। इस सम्बन्ध मुख्यतया दो दृष्टिकोण प्रचलित हैं (1) समग्र अथवा एकीकृत दृष्टिकोण (Integral views) - इस दृष्टिकोण के अनुसार प्रशासनिक

काओं में न केवल प्रबन्धकीय और तकनीकी वरन् शारीरिक एवं लिपिकीय कार्य भी सम्मिलित किये जाते हैं। उदाहरणार्थ, चौकीदार, फोरमैन, संदेशवाहक आदि से लेकर प्रबन्धक तक सभी प्रशासनिक क्रियाकलापों को करने का दायित्व निभाते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि किसी भी उद्यम में कार्यरत उच्च अधिकारियों से लेकर निम्न अधिकारियों तक के कार्यों को प्रशासन का ही भाग माना जाता है। प्रो. हाइट, टीड एवं ओलिवर शेल्डन, मार्शल डिमॉक, ने इसी दृष्टिकोण का समर्थन किया है।

(2) प्रबन्धकीय दृष्टिकोण (Managerial views)- इस दृष्टिकोण के प्रमुख समर्थक साइमन एव थॉमसन हैं। इनके अनुसार केवल प्रबन्धकीय क्रियाओं को ही प्रशासन का भाग माना जा सकता है।

स्मिथवर्ग,

एक निश्चित एवं विशिष्ट उद्देश्य की पूर्ति हेतु नियोजन, संगठन, नियन्त्रण एवं कर्मचारियों के मध्य समन्वय आदि क्रियाकलाप इसके अन्तर्गत आते हैं तथा इन कार्यों को सम्पादित करने वाले 'प्रबन्धक' या 'प्रशासक' कहलाते हैं। वस्तुतः प्रशासन के सम्बन्ध में उपर्युक्त दोनों ही दृष्टिकोण अपूर्ण एवं एकांगी हैं। सत्य यह है कि दोनों दृष्टिकोण एक-दूसरे के पूरक (Complementary) बनकर ही सार्थक हो सकते हैं।

लोक प्रशासन का अर्थ एवं परिभाषाएँ

(MEANING AND DEFINITIONS OF PUBLIC ADMINISTRATION) लोक प्रशासन के अर्थ को समझने के लिये प्रशासन के साथ-साथ 'लोक' शब्द का अर्थ समझना भी

उपयुक्त होगा। लोक शब्द का प्रयोग सामान्यतया तीन अर्थों में किया जाता है-(a) ऐसे कार्य जो व्यक्तिगत न शंकर सार्वजनिक हों। (b) ऐसे कार्य जो एक बड़े वर्ग को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हों। (c) ऐसे कार्य जो कुछ ही व्यक्तियों को प्रभावित करते हों, किन्तु समाज इस प्रभाव की उपेक्षा न कर सके। इस प्रकार 'लोक' शब्द में उन कार्यों को समाविष्ट किया जाता है जिनका महत्व सार्वजनिक दृष्टि से है। दूसरे शब्दों में, 'लोक' से तात्पर्य 'समस्त जनता से सम्बन्धित सरकारी प्रशासन से है। राज्य ही एकमात्र ऐसा संगठन है जिसके अन्तर्गत निवास करने वाली समस्त जनता आ जाती है। इस आधार पर 'लोक' शब्द इस विषय के क्षेत्र को 'सरकार के प्रशासनिक क्रियाकलापों' तक सीमित कर देता है। इस प्रकार 'लोक प्रशासन' को 'सरकारी प्रशासन' कहना अनुचित नहीं होगा।

परिभाषाएँ (Definitions) - लोक प्रशासन को विभिन्न विद्वानों ने भिन्न-भिन्न रूपों में परिभाषित किया है। कतिपय प्रमुख परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं वुडरो विल्सन के अनुसार, "लोक प्रशासन विधि को विस्तृत एवं क्रमबद्ध रूप से कार्यान्वित करने का नाम

है। विधि को कार्यान्वित करने की प्रत्येक क्रिया एक प्रशासकीय क्रिया है।''1 पिफनर लिखते हैं, "लोक प्रशासन का सम्बन्ध उस सार्वजनिक नीति के निर्धारित करने और पूर्ण करने से है जिसे अंतिम रूप राजनीतिक अंगों के प्रतिनिधि प्रदान करते हैं।"2

एल. डी. ह्वाइट के अनुसार, "लोक प्रशासन के अन्तर्गत वे समस्त कार्य आ जाते हैं जिनका उद्देश्य सार्वजनिक नीतियों को पूरा अथवा लागू करना होता है। " 3 ई. एन. ग्लैडन के कथनानुसार, "लोक प्रशासन में लोक कर्मचारियों के वे समस्त कार्य सम्मिलित है

जिनका सम्बन्ध प्रशासन से है चाहे वह व्यक्ति प्रशासक हो अथवा क्लर्क ।"4 लुथर गुलिक लोक प्रशासन को सरकार के केवल एक ही अंग कार्यपालिका से सम्बन्धित मानते हुए लिखते हैं, "लोक प्रशासन, प्रशासन विज्ञान की वह शाखा है जिसका सम्बन्ध शासन से है। इस प्रकार इसक

सम्बन्ध मूलतः कार्यपालिका से हो जाता है। इसके साथ ही व्यवस्थापिका और न्यायपालिका से सम्बन्धित कुछ ऐसी समस्या होती है जो लोक प्रशासन के क्षेत्र में आती है।"